वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून)

पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

बिरसा मुण्डा जयंती के अवसर पर

जनजातीय उद्यमिता कार्यशाला

ग्राम तुरीगढ़ा, तोरपा, खूंटी

दिनांक 22.11.2021

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के शासनादेश एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक की पहल पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बिरसा मुण्डा जयंती समारोह सप्ताह के अवसर पर दिनांक 22.11.2021 को खूंटी जिल के तोरपा प्रखंड अंतर्गत तुरीगढ़ा ग्राम में जनजातीय उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे मरचा पंचायत के मुखिय श्री निरल तोपनो मुखु अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में मरचा पंचायत वार्द सदस्य, ग्राम प्रधान, पूर्व एवं वर्तमान सचिव, अध्यक्ष एवं कोशाअध्यक्ष, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक छात्र, दीनदयाल उपाध्याय स्वावलम्बन योजना के मेंटर सहित लगभग 123 सदस्यों ने भाग लिया।

श्री करम सिंह मुण्डा एवं सुरेंद्र बरबा के संचालन में श्री निरल तोपनो, सुनील शर्मा, निसार आलम, बी.डी.पंडित, सूरज कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की सुरुआत की गई एवं उपर्युक्त के अलावा प्रधानाध्यापक, ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, ग्राम समिति सदस्यों द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि दी गई तथा आदिवासी नृत्य के द्वारा भगवान बिरसा को याद किया गया।

पंचायत मुखिया, दीनदयाल ग्राम स्वावलम्बन के श्री सुनील शर्मा, प्रधानध्यापक, ग्राम प्रधान, ग्राम समिति सदस्यों द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। मुखिया श्री निरल तोपनो ने वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए भगवान बिरसा के आदर्शों को विस्तार से बताया। उन्होने जोर देकर कहा को भगवान बिरसा ने जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा

में अपने प्राणों की आहूति दी तथा वन उत्पादकता संस्थान भी जल-जंगल के संरक्षण में जागरुकता फैलाकर जो कार्य कर रही है वह सराहनीय है। विद्यालय प्रधानाध्यापक ने वन संरक्षण एवं वन-वर्धन हेतु छात्रों में जागरुकता फैलाने का आश्वासन दिया। उन्होने बिरसा मुण्डा को अमर करने हेतु उनके नाम पर विभिन्न स्थलों का नामकरण सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अमरदीप देंता, मनोज बागे, वार्द सदस्य, ग्राम स्वावलम्बन के सदस्य, ग्राम समिति सदस्यों ने भी अपने विचार रखें।

संस्थान के बी.डी.पंडित ने बिरसा मुण्डा को नमन करते हुए उनके आदर्शो एवं त्याग की संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा को सच्ची श्रद्धांजलि जनजातीय के आर्थि, सामाजिक उथान है। वन उत्पादकता संस्थान इस दिशा में कुछ कार्यक्रमों के द्वारा उनमे चेतना भरने का काम कर रही है। आज के कार्यक्रम के दो पहलू को बताते हुए उन्होने कहा कि जनजातीय उद्यमिता का विकास बिरसा मुण्डा आदर्शों में से एक था। जंगलों से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पाद को विस्तार से बताते हुए श्री पंडित ने इमली, महुवा, जामुन, गुठली आदि के प्रसंस्करण, उसके उपयोग एवं इन उत्पादो से समूह बनाकर मुल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर बाजार तक लगने की आवश्यकता को विस्तार से बताया। ट्राइफेड की योजनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए सरकार द्वारा जनजातियों के हित में उठाए गए कदमों, कानूनों का भी संक्षिप्त वर्णन किया एवं भारतीय बाजार में जनजातीय कलाकृति रेसिपि की भी चर्चा की।

इस अवसर पर श्री निसार आलम ने बांस उत्पाद, श्री सूरज कुमार ने बांस के बाजार एवं मूल्यवर्धन, श्री करम सिंह मुण्डा ने लाह के कुटीर उद्योग की सम्भावनाओं को बताया। श्री सुनील शर्मा ने मधु उत्पाद, सम्भावनाएं एवं बजार के विषय में चर्चा की।

कार्यक्रम के आखिर में पंचायत मुखिया श्री निरल तोपनो ने लह की खेती के लिए बनाई जा रही भावी योजनाओं में संस्थन के सहयोग के लिए आग्रह किया।

श्री करम सिंह मुण्डा एवं दीनदयाल उपाध्याय ग्राम स्वावलंबन के श्री सुनील शर्मा के क्रमश: कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रामिनों, जनप्रतिनिधियों एवं संस्थान के सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के श्री निसार आलम, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार एवं श्री करम सिंह मुण्डा का सराहनीय योगदान रहा।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

← Tweet

MoEF&CC
@moefcc

वन उत्पादकता संस्थान,रांची (@ifpranchi1, @IcfreIndia, @moefcc) द्वारा #AKAM कार्यक्रम के अंतर्गत 22.11.21 को खूंटी के तुरीगढ़ा ग्राम में #BirsaMundaJayanti के अंतर्गत #जनजातीयउद्यमिताकार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि मरचा पंचायत के मुखिया श्री निरल तोपनो रहे।

Bhupender Yadav and 3 others

Twitter 22.11.2021

Facebook 22.11.2021

किसान सोच बदलें, तभी बदलेगी गांव की किस्मत

रनिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल लोग • जागरण

संसू, रनिया : आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रनिया प्रखंड के तुरीगढ़ा में धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस दौरान जनजाति उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मौके पर वन उत्पादकता संस्थान के विष्णु देव पंडित ने बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला। पंडित ने कहा कि उनका उद्देश्य ग्रामीणों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गांव के किसान सोच बदलेंगे तो गांव की किस्मत बदलेगी। वन से मिलने वाली उत्पाद पर चर्चा करते हुए किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सुनील शर्मा ने कहा कि गांव की महिलाएं रोजगार की नई संभावनाओं को तलाश रही हैं। इस अवसर पर निसार आलम, सूरज कुमार, करण सिंह मुंडा, सुनील शर्मा, मरचा पंचायत के मुखिया निरल तोपनो, मनोज बागे, अंजेरम, कुल्लू, सुरेंद्र बरवा सहित बड़ी संख्या में किसान मौके पर मौजूद थे।

दैनिक जागरण, 23.11.2021